UP TGT-PGT Daily Rank Booster, Hindi Day -8

ENTRI

GET IT ON Google Play

1. **‘हल्दी’ शब्द का तत्सम रूप है:**

A हरद्रिका

B हरीदा

C **हरिद्रा**

D हलिद्रा

Solution

तत्सम शब्द - तत्सम दो शब्दों से मिलकर बना है – तत +सम , जिसका अर्थ होता है ज्यों का त्यों। जिन शब्दों को संस्कृत से बिना किसी परिवर्तन के ले लिया जाता है उन्हें तत्सम शब्द कहते हैं।

‘हल्दी’ शब्द का तत्सम रूप ‘हरिद्रा’ है।

2. **पश्चिमी और पूर्वी हिंदी में अंतर का आधार है:**

A क्षेत्र

B व्युत्पत्ति

C भाषाशास्त्रीय अर्थ

D **उपरोक्त सभी**

ENTRI

Solution

पश्चिमी और पूर्वी हिंदी में अंतर के कई आधार है – जिसमें क्षेत्र, व्युत्पत्ति, भाषाशास्त्रीय अर्थ आदि शामिल है।

पश्चिमी हिंदी का विकास शौरसेनी अपभ्रंश से हुआ और पूर्वी हिंदी प्राकृत की परंपरा में है।

पश्चिमी हिंदी के अंतर्गत 5 बोलियाँ आती है – खड़ी बोली, हरियाणवी, ब्रज, कन्नुजी और बुन्देली, जबकि पूर्वी हिंदी की तीन शाखाएँ हैं – अवधि, बघेली और छत्तीसगढ़ी।

पश्चिमी और पूर्वी शाखाओं को अलग करके भाषाशास्त्री हिंदी के क्षेत्र को सीमित करते हैं पश्चिमी हिंदी का क्षेत्र मध्य देश है, जिस कारण से यह सम्पूर्ण देश में बोली जाती है।

3. **अपादान कारक में 'से' चिह्न किस अर्थ के लिए प्रयुक्त होता है?**

A जुड़ने के लिए

B **अलग होने के लिए**

C पसंद करने के लिए

D साथ के लिए

Solution

अपादान कारक में 'से' चिह्न अलगाव के लिए प्रयुक्त होता है। इसलिए इसका उचित उत्तर 'अलग होने के लिए' होगा।

अपादान कारक का चिह्न 'से' है जो किसी चीज के अलग होने की क्रिया से संबन्धित है।

4. **निम्नलिखित प्रश्न में, चार विकल्पों में से, उस विकल्प का चयन करें, जो सही पुल्लिंग वाला विकल्प है:**

A भवानी

B बालिका

C **दास**

D सुता

ENTRI

Solution

'दास' है जिसका स्त्रीलिंग 'दासी' होगा। अन्य विकल्प इसके स्त्रीलिंग रूप हैं।

जिन संज्ञा शब्दों से पुरुष जाति का पता चलता है,पुल्लिंग होते हैं।

उदाहरण- लड़का, आदमी, मकान आदि।

5. **कई वस्तुओं को अलग-अलग दर्शाने हेतु किस विराम चिन्ह का प्रयोग किया जाता है?**

A लोप चिन्ह

B अर्द्ध विराम

C **अल्पविराम**

D योजक चिन्ह

ENTRI

Solution

अल्प विराम (,)- वाक्य को कहते या लिखते समय जब उसके अर्थ की स्पष्टता हेतु थोड़ी देर का विराम या ठहरना पड़े तो वहाँ पर अल्प विराम का उपयोग किया जाता है।

इनका प्रयोग एक से अधिक वस्तुओं, व्यक्तियों या अन्य को अलग-अलग दर्शाने के लिए भी किया जाता है। अल्पविराम को हम वाक्य में अर्थ को अधिक स्पष्ट करने के लिए उपयोग करते हैं।

6. **'चरण-कमल बंदौ हरि राई!' किस अलंकार का उदाहरण है?**

A यमक अलंकार

B **रूपक अलंकार**

C अनुप्रास अलंकार

D उपमा अलंकार

Solution

'चरण-कमल बंदौ हरि राई!' यहाँ रूपक अलंकार है। यहां श्रीकृष्ण के चरणों को कमल रूपी बताया गया है अर्थात उपमेय उपमान के रूप में प्रदर्शित किया गया है। जहां उपमेय को उपमान के रूप में बताया जाए वहां रूपक अलंकार होता है।

7. **मंगल भवन अमंगल हारी, द्रवहु सुदसरथ अजिर बिहारी।'**

ऊपर दी गई काव्य पंक्ति में कौन सा छंद है?

A रोला

B सोरठा

C **चौपाई**

D दोहा

ENTRI

Solution

'मंगल भवन अमंगल हारी, द्रवहु सुदसरथ अजिर बिहारी।' यह चौपाई छंद का उदाहरण है। चौपाई मात्रिक छंद है। इसके प्रत्येक चरण में 16 मात्राएं होती हैं। यति प्रत्येक चरण के अंत में होती है।

8. **निम्नलिखित काव्य पंक्ति में कौन-सा स्थायी भाव है?**

'प्रिय-पति वह मेरा प्राण प्यारा कहाँ है। दुःख-जलनिधि डूबी का सहारा कहाँ है।'

A निर्वेद

B **शोक**

C जुगुप्सा

D क्रोध

Solution

उपरोक्त काव्य पंक्ति में करुण रस है।

प्रिय वस्तु तथा व्यक्ति के नाश या अनिष्ट से हृदय में उत्पन्न क्षोभ से 'शोक' उत्पन्न होता है। यही शोक नामक स्थायी भाव जब विभाव, अनुभाव तथा संचारी भाव से पुष्ट हो जाता है तब 'करुण रस' दशा को प्राप्त होता है।

9. **निम्नलिखित वाक्य के किस भाग में अशुद्धि है? 'बुरा से बुरा आदमी भी सम्मान चाहता है।'**

A कोई अशुद्धि नहीं

B सम्मान चाहता है

C **बुरा से बुरा आदमी**

D आदमी भी

Solution

'बुरा से बुरा आदमी' वाला भाग अशुद्ध है।

'बुरा से बुरा आदमी भी सम्मान चाहता है।' अशुद्ध वाक्य है क्योंकि इसमें वचन संबंधी त्रुटि है।

वाक्य में 'बुरा से बुरा' के भाग में उचित वचन का प्रयोग नहीं है, उसके स्थान पर 'बुरे से बुरा आदमी' होगा।

10. 'सुरतिय, नरतिय, नागतिय, सबके मन अस होय।' किसकी पंक्ति है?

A तुलसी

B नरहरि

C गंग

D रहीम

Solution

तुलसीदास जी ने उस व्यक्ति को एक कागज़ पर एक पंक्ति लिखकर दी और कहा कि यह लेकर आप रहीम जी के पास चले जाओ, वे आपकी सहयता करेंगे। उस कागज़ पर तुलसीदास जी ने लिखा था- 'सुरतिय, नरतिय, नागतिय- सबके मन अस होय', जिसका आशय है कि चाहे देवताओं की पत्नियां हों, चाहे महिलाएं हों या नागवंश में भी, नागिन हों- उन सभी को धन-संपत्ति, जेवर, मणि आदि अच्छे लगते हैं, उनकी आवश्यकता होती है।

ENTRI
GET IT ON Google Play